वार्षिक चन्दा 150 रुपए
एक प्रति 15 रुपए

चन्दे की रकम कृपया एकलव्य, भोपाल के नाम बने ड्राफ्ट या मनीऑर्डर से भेजें

संपादन एवं संचालन
एकलव्य
ई-7/एच.आई.जी. 453,
अरेरा कॉलोनी, भोपाल 462 016
फोन : 0755-2463380
फैक्स : 0755-2461703
ई-मेल:eklavyamp@mantrafreenet.com

स्रोत
विज्ञान एवं टेक्नॉलॉजी फीचर्स
website : www.srote.com

अंक 179
अक्टूबर 2003

राष्ट्रीय विज्ञान एवं प्रौद्योगिकी संचार परिषद्, डी.एस.टी. की एक परियोजना

कौन ज़्यादा ठंडा - उत्तर या दक्षिण ध्रुव कौन
जीवजगत के वर्गीकरण के ढाई सौ साल 2
विज्ञान अब छात्रों की पहली पसंद नहीं 5
क्लोनिंग पर प्रतिबंध नहीं, नियमन ज़रूरी 8
मोटापे की एक और दवाई! 12
समय मिले तो क्या बंदर शेक्सपीयर बन जाएंगे? 13
नीम एक दूरगामी जिनेटिक खतरा हो सकता है 16
क्या कैडमियम सेक्स बदल सकता है? 17
भविष्य की खातिर जीन डिज़ाइनिंग 18
क्यों गुम हो जाती हैं प्रजातियां 20
द ग्रेट ऑक पंछी का अंत 24
बदल रही है नाइट्रोजन चक्र की समझ 26
धुआं न होता तो शायद झुलस जाते 27
अरल सागर की असमय मृत्यु और भी जल्दी 28
सिर्फ सोचने से बने काम 30
कपास को रोपकर उपज बढ़ाएं 31
स्वास्थ्य का तकाज़ा है कि सेना ईराक न जाए 32
कार्बन डाई ऑक्साइड से हीरे बने 33
मेंढक के अण्डे खोलेंगे कोशिका का राज़ 34
कुछ स्त्रियों को माह में दो अण्डोत्सर्ग होते हैं 35
एड्स का विज्ञान और राजनीति 36
खानपान का असर संतानों पर होता है 39
सवाल-जवाब 39
बच्चा बिस्तर गीला करे, तो गले का इलाज कराइए

स्रोत के अंकों की क्रम संख्याओं में कुछ गड़बड़ी चल रही है। यह बात हमें इस माह पता चली है। अगस्त का अंक 175 होना चाहिए था जो गलती से 176 छप गया। इसके बाद सितम्बर का अंक 176 होना चाहिए था। यहां भी हमने छलांग लगाकर उसे 178 कर दिया। इसलिए सही मायने में अक्टूबर अंक 177 होना चाहिए मगर हम इसे 179 ही छाप रहे हैं। इतिहास की गलतियों को सुधारने के चक्कर में हम नहीं पड़ेंगे। सिर्फ उन्हें दोहराएंगे नहीं।

समय मिले तो क्या बंदर शेक्सपीयर बन जाएंगे? 13

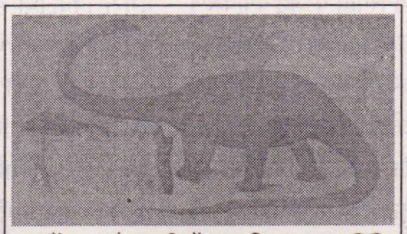

क्यों गुम हो जाती हैं प्रजातियां 20

सिर्फ सोचने से बने काम 30

स्रोत में छपे लेखों के विचार लेखकों के हैं। एकलव्य या रा.वि.प्रौ.सं.पं. का इनसे सहमत होना आवश्यक नहीं है। स्रोत का मासिक संस्करण स्वयंसेवी संस्थाओं, सरकारी संस्थाओं व पुस्तकालयों, विज्ञान लेखन से संबद्ध तथा विज्ञान व समाज के रिश्तों में रुचि रखने वाले व्यक्तियों के विशेष अनुरोध पर स्रोत के साप्ताहिक अंकों को संकलित करके तैयार किया जाता है।